परिभाषा (Definition):

Yield to Maturity (YTM) का अर्थ है — किसी बॉन्ड या डिबेंचर से मिलने वाली कुल प्रतिफल दर (total return rate), यदि उसे परिपक्वता (maturity) तक रखा जाए।
यह दर निवेशक को बताती है कि यदि वह बॉन्ड को अभी खरीदे और इसे इसकी परिपक्वता तिथि तक रखे, तो उसे कुल कितना लाभ या ब्याज प्राप्त होगा।

- सरल शब्दों में:

YTM वह ब्याज दर है जिस पर किसी बॉन्ड के भविष्य के नकद प्रवाहों (interest payments और face value) का वर्तमान मूल्य (present value) उसके वर्तमान बाजार मूल्य (current market price) के बराबर होता है।

- YTM की गणना का सूत्र (Formula):

$$P = \sum_{t=1}^{n} \frac{I}{(1+YTM)^t} + \frac{F}{(1+YTM)^n}$$

जहाँ,

P = बॉन्ड का वर्तमान बाजार मूल्य

I = वार्षिक ब्याज (Coupon Interest)

F = फेस वैल्यू (Face Value)

n = परिपक्वता तक के वर्ष (Years to Maturity)

YTM = यील्ड टू मैच्योरिटी

- सरल अनुमान लगाने का तरीका (Approximation Formula):

$$YTM = \frac{I + \frac{(F - P)}{n}}{\frac{(F + P)}{2}} \times 100$$

🔹 उदाहरण (Example):

मान लीजिए —

फेस वैल्यू (F) = ₹1,000

वार्षिक ब्याज (I) = ₹100

वर्तमान मूल्य (P) = ₹950

परिपक्वता अवधि (n) = 5 वर्ष

YTM = \frac{100 + \frac{(1000 - 950)}{5}}{\frac{(1000 + 950)}{2}} \times 100

YTM = \frac{100 + 10}{975} \times 100 = 11.28\%

इसका अर्थ है कि निवेशक को लगभग 11.28% वार्षिक प्रतिफल मिलेगा यदि वह बॉन्ड को परिपक्वता तक रखे।

🔹 YTM का महत्व (Importance of YTM):

1. निवेश निर्णय में मदद: यह बताता है कि कोई बॉन्ड खरीदना लाभदायक है या नहीं।

2. विभिन्न बॉन्ड की तुलना: अलग-अलग बॉन्ड की YTM देखकर बेहतर निवेश चुना जा सकता है।

3. जोखिम का मूल्यांकन: कम YTM वाले बॉन्ड को अधिक सुरक्षित माना जाता है।

4. बाजार दरों का संकेत: यह बाजार में ब्याज दरों के रुझान को भी दर्शाता है।